



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 39]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 28, 1996/आश्विन 6, 1918

No. 39]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 28, 1996/ASHVINA 6, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संव राज्य क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए गए और जारी किए गए साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general Character) issued by the Ministries of the Government of India (of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

विश्व मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली 19 अगस्त, 1996

सा.का.वि. 400.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्म्यक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, एतद्वारा करसी नोटिस, तानिक रोड में केंद्रित प्रबन्धक के पद पर भर्ती का पत्रावलि के तर्ज के को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

1. संक्षिप्त शीर्षक व प्रारम्भ

(1) इन नियमों को करेता नोटिस, केंद्रित प्रबन्धक, भर्ती नियम, 1996 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी गजट में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वर्तमान

उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संबंधित वर्तमान इन नियमों के साथ संलग्न उक्त अनुसूची के कालम संख्या 2 से 14 में यथा विनिर्दिष्ट होंगे।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, योग्यताएं आदि :-

उक्त पद को भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, योग्यताएं तथा उससे संबंधित अन्य मामले उक्त अनुसूची के कालम 5 से 14 में यथा विनिर्दिष्ट होंगे।

4. अंतर्हर्ता :-

(क) कोई व्यक्ति, जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति पत्नी जीवित है, विवाह किया है या विवाह का अनुबन्ध किया है, या

(ख) कोई व्यक्ति जिसका पति/पत्नी जीवित है, किसी अन्य व्यक्ति से विवाह करना है या विवाह का अनुबन्ध करता है, उस पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

किन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसे विवाह ऐसे व्यक्ति या विवाह के अन्य पक्षकार पर लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रेय है और यह कि ऐसा करने के अन्य आधार हैं तो वह ऐसे व्यक्ति को इस नियम के प्रचालन से छूट दे सकती है।

#### 5. शिथिल करने की शक्ति

जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह मत हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, तो वह उन कारणों से जिन्हें निम्नलिखित में दर्ज किया जाएगा, आदेश द्वारा, व्यक्तियों के किस भी वर्ग अथवा वर्गों के संबंध में इन नियमों के किसी भी प्रावधान में छूट दे सकती है।

#### 6. व्यावृत्ति :-

इन नियमों में कुछ भी केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसरण में अनुमूचित जातियों, अनुमूचित जातियों, भूतपूर्व सैनिकों और व्यक्तियों की अन्य विशेष श्रेणियों के लिए प्रावधान किए जाने के लिए अपेक्षित आरक्षण आयुर्मासा में छूट तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगा।

#### अनुसूचा

| पद का नाम        | पद की संख्या | वर्गीकरण  | वेतनमान                               | क्या खयत अथवा और क्या खयत पद है | क्या केन्द्रीय सिविल सीवो भर्ती के लिए सेवा (पेंशन) नियम, आयुर्मासा 1972 के नियम 30 के तहत सेवा के जोड़े गए वर्षों के लाभ प्राह्य हैं |  |
|------------------|--------------|---|---------------------------------------|---------------------------------|---|--|
| 1                | 2            | 3   | 4                                     | 5                               | 6   | 7  |
| कैप्टीन प्रबन्धक | 1*<br>(1996) | सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह (ग) गैर-लिपिकीय अराज-पत्रित | 1600-50-2300<br>व. र. - 60-2600<br>र. | खयत पद                          | नहीं  | 28वर्ष से अधिकन हीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए 33 वषे तक की छूट दी जा सकती है।<br>टिप्पणी : आयु सीमा को निर्धारित करने की अंतिम तारीख भारत में अस्थापित से आवेदन प्राप्त करने का आखिरी तारख होगा (न कि असम में शासनालय अरुणाचल प्रदेश भिजोरम मणिपुर नगालेण्ड, त्रिपुरा, जम्मू व काश्मीर के सिक्किम व लद्दाख उप-प्रभाग, लाहोल धनस्याति जिले तथा हिमाचल प्रदेश के चम्पा जिले के पांगी उप-प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप के अस्थापितों के लिए निर्धारित अंतिम तारीख)।<br>रोजगार कार्यालय के जरिए भर्ती किए जा के मामले में आयु सीमा निर्धारित |

करने की अंतिम  
तारीख वह होगी  
जिस तारीख तक  
रोजगार कार्यालय  
से नाम भेजने के  
लिए कहा गया है।

|  |   |                              |   |
|--|---|------------------------------|---|
| सिध्द भर्ती वालों के लिए, वांछित शैक्षणिक व अन्य योग्यताएं | क्या सीधे भर्ती वालों के लिए निर्धारित आयु तथा अन्य योग्यताएं प्रोन्नति पाने वालों के मामले में लागू होगी | परिवार की प्रभाव, यदि कोई हो | भर्ती का पद्धति, क्या सीधे भर्ती द्वारा होगी या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न तारखों द्वारा भरे जाने के लिए रिक्त स्थानों की प्रतिशतता |
|--|---|------------------------------|---|

| 8  | 9    | 10                              | 11  |
|--|------|---------------------------------|---|
| अनिवार्य<br>1. किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्चतर माध्यमिक या समकक्ष; और<br>2. किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कैंट्रिंग में डिप्लोमा ;<br>3. और सरकारी उपक्रम प्रतिष्ठित संगठन के अधीन किसी उद्योग में कैंट्रान में काम करने का तीन वर्ष का अनुभव । | लागू | सीधे भर्ती वालों के लिए दो वर्ष | प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण एका, दोनों के हो सकने पर साक भर्ती द्वारा। |

टिप्पणी :

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा ओ.बी.सी. से संबंध रखने वाले अभ्यर्थियों के मामले में अनुभव संबंधी योग्यता में मक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार ढील दी जा सकती है, यदि वयस के किसी भी स्तर पर मक्षम प्राधिकार की यह राय हो कि उनके लिए प्रारक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए इन समुदायों से अपक्षित रखने वाले अभ्यर्थी उचित संख्या में उपलब्ध नहीं हैं।

उन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती के मामले में ग्रेड जिनसे प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाता है। यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसका गठन से परिस्थितियों, जिसमें भर्ती करते समय संबंध लोकसेवा आयोग से परामर्श किया जाता है।

| 12   | 13  | 14        |
|--|---|-----------|
| प्रोन्नति :<br>ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा सहित 1350-2200 रु. के वेतनमान में विभागीय कैंटीन पर्यवेक्षक ।<br>प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण<br>केंद्रीय सरकार/राज्य सरकार/सांख्यिक क्षेत्र के उपक्रमों विश्व विद्यालयों सांख्यिक या स्वायत्त शासी संगठनों की किसी विभागीय कैंट्रान में काम करने वाले वे व्यक्ति :<br>(क) जो समतुल्य पदधारण करते हों य.<br>(ख) जिनका 1350-2220 रुप ए. या समकक्ष ग्रेड में 5 वर्ष का नियमित सेवा हो; और<br>(ग) जो कालम 7 में निर्धारित शैक्षणिक योग्यताएं धारण करते हों । | प्रोन्नति के लिए समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति तथा पुष्टिकरण के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति<br>1. उप-महाप्रबंधक -प्रध्यक्ष<br>7. कार्य प्रबंधक -सदस्य<br>ज. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रशासनिक अधिकारी -सदस्य<br>है. मंजालय से 7म से कम अधिकार अधिकारी के रैंक का अधिकारी, -सदस्य | लागू नहीं |

टिप्पणी : यदि उन्हें पद पर नियुक्ति के लिए चुना जाता है तो वह प्रोन्नति द्वारा भरा गया माना जाएगा।  
इसी प्रकार जो प्रतिनियुक्ति पर है उन्हें प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए पात्र नहीं समझा जाएगा।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि केन्द्रीय सरकार के इसी या किसी अन्य संगठनों/विभाग में तुरन्त पहले धारित अन्य स्वयं बाल्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि सहित 3 (तीन) वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा नियुक्ति के लिए (अल्प-वधि अनुबन्ध सहित) अधिकतम आयु सीमा प्रावधानों की प्राप्ति की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

[एफ. सं. 2(4) 95-कॉमो (III)]

वी.के.वेणुगुट्टी, उपप्रबन्धक मुद्रा एवं निष्क।

Ministry of Finance  
(Department of Economic Affairs)  
New Delhi, the 19th August 1996

G.S.R. 400:— In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Canteen Manager in Currency Note Press, Nashik Road, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Currency Note Press, Canteen Manager, Recruitment Rules, 1996.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of Post, classification and Scale of Pay :—The number of the said post, its classification and the Scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 14 of the Schedule annexed.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc :—The method of recruitment to the said post, age limit qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in column 5 to 14 of the said Schedule aforesaid.

Disqualification :—(a) No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste, Schedule Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

| Name of post                                 | Number of post | Classification   | Scale of pay                |
|--|----------------|--|-----------------------------|
| 1  | 2              | 3  | 4                           |
| Canteen Manager                              | 1* (1996)      | General Central Service Group<br>'C' Non-Ministerial Non-Gazetted. | Rs. 1600-50-2300-EB 60-2600 |
| *Subject to variation depending on workload. |                |  |                             |

| Whether selection post or non selection post.   | Whether benefit of added years of service admissible under rule 20 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972  | Age limit for direct recruits.  | Educational and other qualification required for direct recruits.  |
|---|--|---|--|
| 5   | 6  | 7   | 8  |
| Selection   | No.  | Not exceeding 28 years.<br>(Relaxable for Government servants upto 33 years)<br>Note :— The crucial date for determining the age limit shall be closing date for receipt of application from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim Ladakh Division of J & K State, Lahual and Spiti District and Panji of Sub-Division of Chamba District Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands and Lakshdweep.<br>In case of recruitment made through Employment Exchanges the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange are asked to submit the name. | ESSENTIAL :—<br>(1) Higher Secondary or equivalent from a recognised Board ; and<br>(2) Diploma in Catering from a recognised Institution ; and<br>(3) Three years experience in a Canteen in any Industry under Government/ Undertakings/reputed organisation.<br>Note : The qualifications regarding experience os relaxable at the discretion of the Competent Authority in the case of candidate belonging to Scheduled castes and Scheduled Tribes and other backward classes if at any stage of selection the Competent Authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. |
| Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotion.  |  | Period of probation, if any.  | Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or deputation or transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods.   |
| 9   | 10   | 11  |  |
| No.   | Two Years from direct recruits   | Promotion/Transfer on Deputation failing which by direct Recruitment.   |  |
| In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.  |  | If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.  | Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.   |
| 12  | 13   | 14  |  |
| Promotion : The Department Canteen Supervisor in the scale of Rs. 1350-2200 with 5 years regular service in the grade.<br>Transfer on Deputation : Persons working in any departmental Canteen of the Central Government /State Government/Public Sector Undertakings/Universities/Statutory or Autonomous Organisations :<br>(a) holding analogous posts, or<br>(b) with 5 years regular service in the scale of Rs. 1350-2200 or equivalent ; and<br>(c) Possessing the educational qualifications prescribed in column 8.<br>Note : In case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to have been filled by promotion.<br>Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.<br>(Period of deputation including period of deputation in another Ex-cadre post held immediately preceeding this appointment in the same or some other organisations/department of the Central Government shall ordinarily not to exceed 3 (Three) years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation (including short-term contract) shall be, not exceeding 56 years as on the closing date of receipt of applications. | Group 'C' Departmental Promotion Committee for Promotion and Departmental Promotion Committee for confirmation.<br>1. Deputy General Manager—Chairman.<br>2. Works Manager —Member<br>3. Chief Admn. Officer/Admn. Officer —Member<br>4. An Officer not below the rank of Under Secretary from the Ministry —Member. | Not applicable.   |  |

## (कंपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा.का.नि. 401 केन्द्रीय सरकार कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश देती है कि मैक्स एनीकैम एसपी ए 93, मेकर चैम्बर्स, 6 नरीमन प्वाइंट मुम्बई 400021 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं ऐसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथाउपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपांतरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :-

यदि कंपनी 1 जनवरी, 1994 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समूचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा।

(1) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण, जो 1 जनवरी, 1994 से प्रारम्भ और 31 दिसम्बर, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदाय की बाबत सही और उचित है।

(ii) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (i) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए किया गया है कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 जनवरी, 1996 से प्रारम्भ

और 31 दिसम्बर, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(iii) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यातः हस्ताक्षरित इस अध्याय का एक प्रमाण-पत्र कि कंपनी ने 1 जनवरी, 1994 से प्रारम्भ और 31 दिसम्बर, 1996 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक निकाय नहीं किया है।

[सं. 50/10/94-सी.एल. III]

उमेश कुमार, अवर सचिव

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 401.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of Enichem SPA 93, Maker Chambers VI, Nariman Point, Mumbai-400 021 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

[ It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st January, 1994 and ending on the 31st December, 1995, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company, certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India; certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from 1st January, 1994 and ending on the 31st December, 1995

(ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India; certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st January, 1994 and ending on the 31st December, 1995;

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying

that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st January, 1994 and ending on the 31st December, 1995.

[No. 50/10/94-CL.III]

UMESH KUMAR, Under Secy

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा.का.नि. 402 केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं.का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपांतर करते हुए यह निदेश देती है कि मैसर्स निकीमैन कारपोरेशन 601-610, अंबादीप बिल्डिंग, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कम्पनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कम्पनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसा कि किसी विदेशी कम्पनी को लागू होती है, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपांतरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपांतरों के अधीन रहते हुए लागू होगी अर्थात्—

यदि कम्पनी 1 अप्रैल 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों के पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा,

(1) ऐसी कम्पनी की भारतीय लेखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (ख) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करने हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण जो 1 अप्रैल, 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कम्पनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है,

(2) भारत में कम्पनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करने हुए प्रमाणित किया गया कि उक्त विवरण जैसा कि वह 1 अप्रैल 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत है, भारत की कम्पनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(3) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्ताक्षरित इस अणय का एक प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 1 अप्रैल 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/12/94-सी.एल.-III]

उमेश कुमार, अवसर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 402.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Nickimen Corporation, 601—610 Amba Deep Building, 14, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-11001 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st April, 1994 and ending on the 31st March, 1995, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company, certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India; certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from 1st April 1993 and ending on the 31st March, 1995.

(ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India; certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st April, 1993 and ending on the 31st March, 1995;

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying

that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st April, 1993 and ending on the 31st March, 1995.

[No. 50/12/94-CL.III]

UMESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा.का.नि. 403.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए, यह निदेश देती है कि मैसर्स इलेक्ट्रिक पावर डेवलपमेंट कं. लिमिटेड 6ठा तल, मेरिडियन कॉम्प्लेक्स, 8वां विंडसर प्लेस, नई दिल्ली-110001 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कम्पनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कम्पनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि किसी विदेशी कम्पनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अववादों और उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होंगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी, 1 अप्रैल, 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा,

(1) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण, जो 1 अप्रैल, 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कम्पनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है,

(2) भारत में कम्पनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे,—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की

तामिल स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 अप्रैल, 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कम्पनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(3) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्ताक्षरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 1 अप्रैल, 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/20/94—सी.एल. III]]

[उमेश कुमार, अधर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 403.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Electric Power Development Company Limited, 6th floor, Meridian Commercial Complex, 8, Windsor Place, (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exemptions and modifications, namely :—

[ It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st April, 1993 and ending on the 31st March, 1995, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company, certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India; certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from 1st January, 1993 and ending on the 31st March, 1995.

(ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India; certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in



India as at the end of the period commencing from the 1st April, 1993 and ending on the 31st March, 1995.

- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st April, 1993 and ending on the 31st March, 1995.

[No. 50/20/94-CL.III]

UMESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा.का.नि. 404 केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं.का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपांतर करते हुए यह निदेश देती है कि मैक्स इण्डिया ट्रेडिंग कं. लिमिटेड, 144, 13वां तल, मेकर चैम्बर, 6, नरिमान प्वाइंट, मुम्बई 400021 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथाउपांतरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपांतरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् —

यदि कंपनी, 1 अप्रैल, 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन करते हुए समाप्त जायेगा,

(1) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संशयो का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण जो 1 अप्रैल, 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संशयों की बाबत सही और उचित है,

(2) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण जैसा कि वह 1 अप्रैल 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(3) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्ताक्षरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 1 अप्रैल, 1993 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/28/94-सी.एल. III]

उमेश कुमार, अवसर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 404.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of its Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Ishihara Trading Co. Ltd., 144, 13th Floor, Maker Chamber VI, Nariman Point, Mumbai-400021 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

I It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st April, 1993 and ending the 31st March, 1995, the Company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company, certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from 1st April, 1993 and ending on the 31st March, 1995.

- (ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—
- (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and
- (b) a Chartered Accountant practising in India, certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st April, 1993 and ending on the 31st March, 1995.
- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st April, 1993 and ending on the 31st March, 1995.

[No. 50/28/94-CL.III]  
UMESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा.का.नि. 405—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश देती है कि मैसर्स कानेमत्सु, 87-88, मिटल चैम्बर्स, 8वां तल, नरिमान प्वाइंट, मुम्बई-400021 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कंपनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित प्रतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी, 1 अप्रैल, 1992 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा,

(i) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामोल स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण, जो 1 अप्रैल, 1992

से प्रारंभ और 31 मार्च, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है,

(ii) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामोल स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 अप्रैल, 1992 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(iii) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामोल स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्ताक्षरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 1 अप्रैल, 1992 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/1/95-सी.एल.-III]

उमेश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 405.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Kanematsu Corporation, 87-88, Mittal Chambers, 8th floor, Nariman Point, Mumbai-400021. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st April, 1992 and ending on the 31st March, 1994, the company in

respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company, certified by—
  - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and
  - (b) a Chartered Accountant practising in India :
 

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st April, 1992 and ending on the 31st March, 1994 :
- (ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—
  - (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and
  - (b) a Chartered Accountant practising in India;
 

certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st April, 1992 and ending on the 31st March, 1994;
- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st April, 1992 and ending on the 31st March, 1994.

[No. 50/195-CL. III]  
UMESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा.का.नि. 406 :—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निवेश देती है कि मैसेज आशा खान फाउंडेशन सरोजिनी हाउस, दूसरा तल, 6 भगवान दास रोड, नई दिल्ली-110001 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कंपनी कहा गया है) के मामले में जो कि एक विदेशी कंपनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी को लागू होती हैं उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी, 1 जनवरी, 1995 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1995 को समाप्त होने वाली प्रारंभ की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा,—

(i) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे :—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए किया जाता है कि उक्त विवरण, जो 1 जनवरी, 1995 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कंपनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है,

(ii) भारत में कंपनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण जैसा कि वह 1 जनवरी, 1995 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कंपनी के कार्यकलाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

(iii) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्त्: हस्ताक्षरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कंपनी ने 1 जनवरी, 1995 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/95-सी.एल.-III]

उमेश कुमार, अवसर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R.406.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central

Government hereby directs that in the case of M/s. Aga Khan Foundation Sarojini House, 2nd floor, 6, Bhagwan Das Road, New Delhi-11001. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st January, 1995 and ending on the 31st December, 1995, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company, certified by—

(a) person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India :

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st January, 1995 and ending on the 31st December, 1995 :  
liabilities in India certified by—

(ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st January, 1995 and ending on the 31st December, 1995;

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying, that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st January, 1995 and ending on the 31st December, 1995.

[No. 50/95-CL. III]

UMESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली 3 सितम्बर, 1996

मा.का.नि. 407.—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश देती है कि सेसर्स इनकॉर्पोरेट बाइंग सर्विसेस लि., 309-315 टॉल्मटॉय हाउस, टॉल्मटॉय मार्ग, नई दिल्ली-110001 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कम्पनी कहा गया है) के सामने में, जो कि एक विदेशी कम्पनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित आतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी 1 जनवरी, 1994 से प्रारंभ और 31 दिसंबर, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारवार लेखाओं के संबंध में भारत में स्थापित कम्पनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा :—

(i) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्रार्थनाओं और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसाय किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण जो जनवरी 1994 से प्रारंभ और 31 दिसंबर 94 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कम्पनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है,

(ii) भारत में कम्पनी की आम्नियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसाय करने किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए यह प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण जैसा कि वह जनवरी 1994 से प्रारंभ और 31 दिसंबर 1994 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कम्पनी के कार्यक्लाप की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और

- (iii) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा मध्यकृत: हस्ताक्षरित इस अधिष का एक प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 1 जनवरी, 1994 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रिया-कलाप नहीं किया है।

[सं. 50/10/95-सी.एन.-III]

उमेश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 407.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Inchcape Buying Services Ltd., 309-315, Tolstoy House Tolstoy Marg, New Delhi-110001, (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st January, 1994 and ending on the 31st December, 1994, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India :

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st January, 1994 and ending on the 31st December, 1994 :

liabilities in India certified by—

- (ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st January, 1994 and ending on the 31st December, 1994.

- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any training, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st January 1994 and ending on the 31st December, 1994.

[No. 50/10/95-CL. III]

UMESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा.का.नि. 408 :— केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सा.का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निर्देश देती है कि मैसर्स फाउन्ट एंजेंट्स सर्विसेस लिमिटेड, कदा बिल्डिंग, दूसरा तल, रिचमण्ड रोड, बंगलौर-560025 (जिसे इसमें इसके पश्चात कम्पनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कम्पनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी, 1 जनवरी, 1993 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारखान लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा,

- (i) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संवदों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करने हुए, प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण, जो 1 जनवरी, 93 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 94 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कम्पनी की प्राप्तियों और संवदों की बाबत सही और उचित है,

- (ii) भारत में कम्पनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—
- (क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तारीख स्वीकार करने के लिए, प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और
- (ख) भारत में व्यवसाय किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 जनवरी, 93 से प्रारंभ और 31 दिसंबर, 94 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कम्पनी के कार्यकाल की स्थिति की बाबत सही और उचित है, और
- (iii) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तारीख स्वीकार करने के लिए, प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्बन्धित हस्ताक्षरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 1 जनवरी, 1993 से प्रारंभ और 31 दिसंबर, 94 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं० 50/22/95-सी० एल. III]

उमेश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 408.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Crown Agents Services Limited, Kada Building, II floor, 22, Richmond Road, Bangalore-560025, (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st January, 1993 and ending on the 31st December, 1994, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Bench of such Company, certificate by—
- (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and
- (b) a Chartered Accountant practising in India :

certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st January, 1993 and ending on the 31st December, 1994 :

- (ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—
- (a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and
- (b) a Chartered Accountant practising in India;
- certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st January, 1993 and ending on the 31st December, 1994.
- (iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st January, 1993 and ending on the 31st December, 1994.

[No. 50/22/95-CL. III]

UMESR KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा. का. नि. 409:—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के पन्त्युक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का. नि. आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश देती है कि मैसर्स जवारी ट्रेडिंग कं. लि. प्रभादेवी इंडस्ट्रियल एस्टेट, यूनिट 14, दूसरा तल, 408 बीर सावरकर मार्ग, मुंबई, 400025 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कम्पनी कहा गया है) के मामले में, जो कि एक विदेशी कम्पनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अतिरिक्त अपवादों और उपान्तरों के अधीन रहने हुए लागू होगी, अर्थात्:—

यदि कंपनी, 1 अप्रैल, 1994 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारखान लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जाएगा ;

(I) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्तियों और संदायों का एक विवरण, जिसे:—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति; और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण, जो 1 अप्रैल, 1994 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कम्पनी की प्राप्तियों और संदायों की बाबत सही और उचित है;

(II) भारत में कम्पनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे :—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति; और

(ख) भारत में व्यवसायगत किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 अप्रैल, 1994 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कम्पनी के कार्यालय की स्थिति की बाबत सही और उचित है; और

(III) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्ताक्षरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 1 अप्रैल, 1994 से प्रारंभ और 31 मार्च, 1995 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं० 50/38/95-सी. एल. III]

उमेश कुमार, अवसर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 409.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. Javari Trading Company Ltd., Prabhadevi Industrial Estate, Unit-14, 2nd floor, 408-Veer Savarkar Marg, Mumbai-25, (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the

1st April, 1994, and ending on the 31st March, 1995, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India in triplicate :—

(i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company, certified by,—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India : certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st April, 1994 and ending on the 31st March, 1995 :

(ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

Certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st April, 1994 and ending on the 31st March, 1995;

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st April, 1994 and ending on the 31st March, 1995.

[No. 50/38/95-CL-III]

UMESH KUMAR, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1996

सा.का.नि. 410—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (कंपनी विधि प्रशासन विभाग) की अधिसूचना सं. का.नि.आ. 3216, तारीख 4 अक्टूबर, 1957 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपान्तर करते हुए यह निदेश देती है मैसर्स जनरल मोटर्स एण्ड ओवरसीज कारपोरेशन, 2, पाल्ने रोड रियर मि.टी. एफ-1/टी एफ-2 वसंत बिहार, नई दिल्ली-110057 (जिसे इसमें इसके पश्चात् कम्पनी कहा गया है) के मामले में जो कि एक विदेशी कम्पनी है, को उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी को लागू होती हैं, उक्त अधिसूचना द्वारा यथा उपान्तरित निम्नलिखित अनिवार्य अपवादों और उपान्तरों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी, 1 जनवरी, 1993 से प्रारंभ और 31 दिसम्बर, 1993 को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत अपने भारतीय कारबार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रार को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन हुआ समझा जायेगा,

(i) ऐसी कंपनी की भारतीय शाखा द्वारा प्राप्ति्यों और संदायों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया जाता है कि उक्त विवरण, जो 1 जनवरी, 1993 से प्रारम्भ और 31 दिसम्बर, 1993 को समाप्त होने वाली अवधि का है, भारत में कम्पनी की प्राप्ति्यों और संदायों की वास्तव सही और उचित है;

(2) भारत में कम्पनी की आस्तियों और दायित्वों का एक विवरण, जिसे—

(क) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, और

(ख) भारत में व्यवसायरत किसी चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा यह प्रमाणित करते हुए प्रमाणित किया गया है कि उक्त विवरण, जैसा कि वह 1 जनवरी 1993 से प्रारम्भ और 31 दिसम्बर, 1993 को समाप्त होने वाली अवधि के अंत में है, भारत में कम्पनी के कार्यकलाप की स्थिति की वास्तव सही और उचित है, और

(3) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधीन भारत में आदेशिका की तामील स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा सम्यक्तः हस्ताक्षरित इस आशय का एक प्रमाणपत्र कि कम्पनी ने 1 जनवरी, 1993 से प्रारम्भ और 31 दिसम्बर, 1993 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान भारत में व्यापारिक, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्रियाकलाप नहीं किया है।

[सं. 50/41/95-सी.एल. III]

उमेश कुमार, अव्वर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1996

G.S.R. 410.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Central Government hereby directs that in the case of M/s. General Motors & Overseas Corporation, 2, Palmo Road Rear Wing TF-1/TF-2, Vasant Vihar, New Delhi-110057 (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their

application to a foreign company by the said Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594 if, in respect of the period commencing from the 1st January, 1993 and ending on the 31st December, 1993, the company in respect of its Indian Business Accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

(i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch of such Company, certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India :

Certifying that the said statement gives a true and fair view of the receipts and payments of the company in India for the period commencing from the 1st January, 1993 and ending on the 31st December, 1993.

(ii) a statement of the Company's assets and liabilities in India certified by—

(a) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and

(b) a Chartered Accountant practising in India;

Certifying that the said statement gives a true and fair view of the state of affairs of the company in India as at the end of the period commencing from the 1st January, 1993 and ending on the 31st December, 1993;

(iii) a certificate duly signed by person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act certifying that the company did not carry on any trading, commercial or industrial activity in India during the period commencing from the 1st January, 1993 and ending on the 31st December, 1993.

[No. 50/41/95-CL.III]

UMESH KUMAR, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1996

सा.का.नि. 411—राष्ट्रपति, पटमन विकास निदेशालय, कलकत्ता में संयुक्त निदेशक डा. एन.सी. बासु को 8 जुलाई, 1996 के पूर्वाह्न से उसी निदेशालय में 3700-125-4700-150-5000 रुपये के वेतनमान में, अस्थायी स्थानापन्न क्षमता में, निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

[सं. 18-190-फ. प्रशा.-3]

आर.डी. आर्य, अव्वर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture & Co-operation)

New Delhi, the 19th August, 1996

G.S.R. 411.—The President is pleased to appoint Dr. N. C. Basu, Joint Director in the Directorate of Jute Departments, Calcutta to the Post of Director, in the same Directorate in the pay scale of Rs. 3700-125-4700-150-5000, in a temporary officiating capacity with effect from forenoon of 8th July, 1996.

[No. 10-1/90-CA.III]

R. D. ARYA, Under Secy.



वाणिज्य मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1996

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Supply)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 30th August, 1996

सा.का.नि. 412—राष्ट्रीय परीक्षण शाखा (ग्रुप 'ए' पद) भर्ती (संशोधन) नियमों, 1996 के संदर्भ में दिनांक 8 जून, 1996 को जी.एस.आर. 236 के रूप में, भारत के राजपत्र में प्रकाशित वाणिज्य मंत्रालय (पूर्ति विभाग) की दिनांक 21 मई, 1996 की अधिसूचना संख्या ए-12022/1/95-स्था-1 में —

2. वैज्ञानिक एस.सी. और वैज्ञानिक एस.डी. के पदों के लिये विभागीय पदोन्नति समिति (पृष्ठकरण हेतु) के संदर्भ में, प्रविष्टि सं. 2(4) के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टियों के लिये अर्थात् :—

“(ii) निदेशक/उप सचिव पूर्ति विभाग—सदस्य”  
निम्नलिखित प्रविष्टियों को प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

“(2) निदेशक, पूर्ति विभाग—सदस्य”

[सं.ए.-12022/1/95-स्था-1]

मुसाफिर सिंह, अवर सचिव

G.S.R. 412.—In the Ministry of Commerce (Department of Supply) Notification No. A-12022/1/95-ES dated 21st May, 1996, published in the Gazette of India as G.S.R. 236 on the 8th June, 1996 regarding National Test House (Group 'A' posts), recruitment (Amendment) Rules, 1996.

2. Under entry 2(iv) in respect of the Departmental Promotion Committee (For confirmation) for posts of Scientist SC and Scientist SD; for the existing entries, namely :—

“(ii) Director/Deputy Secretary Department of Supply. . . Member.”

The following entries shall be substituted :—

“(ii) Director, Department of Supply . . . Member.”

[No. A-12022/1/95-ESI]

MUSAFIR SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1996

सा.का.नि. 412—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुके द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सफरजंग अस्पताल नई दिल्ली में बोर्ड के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सफरजंग अस्पताल, नई (बोर्ड) भर्ती नियम, 1996 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वर्तमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वर्तमान वह होगा जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अन्य शर्तें आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शर्तें और उसके संबंधित अन्य बातों के हकीमों या उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरुद्धता :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है— या]

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है—

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अन्तर्गत वैध है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—अहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें देखते हुए करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश देना शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण आयु-सीमा में छूट और अन्य रिपायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार या इस संबंध में समय-समय पर निकासे गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना प्रयोजित है।

2236 GI/96—3.

| अनुसूची   |  |  |  |  |  |  |
|---|--|--|--|--|--|--|
| वर्ष का नाम   | पदों की संख्या   | वर्गीकरण   | वर्तनमान                               | चयन पद<br>प्रयत्न<br>अचयन पद   | सीधे भर्ती किए जाने वाले<br>व्यक्तियों के लिए आयु-<br>सीमा | सेवा में जीड़े गए वर्षों<br>का फायदा केन्द्रीय सिविल<br>सेवा ( पेंशन ) नियम<br>1972 के नियम 30 के<br>अधीन अनुज्ञप्त है या नहीं |
| 1   | 2  | 3  | 4                                      | 5  | 6  | 7  |
| बार्ड   | 01*<br>(1996)<br>*क्योंकि भारत के<br>आधार पर<br>परिवर्तन किया<br>जा सकता है। | साधारण केन्द्रीय<br>सेवा समूह "ख"<br>भराजपत्रित,<br>अननुसचिबीय | 1640-60-<br>2600-ब. रो.-<br>75-2900 ब. | चयन  | लागू नहीं होता   | लागू नहीं होता   |
| सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और<br>अन्य अर्हताएं   |  |  |  | सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए<br>विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त<br>व्यक्तियों का दशा में लागू होगा या नहीं   |  | परिवर्तन की अवधि यदि कोई हो  |
| 8   | 9  |  | 10                                     |  |  |  |
| लागू नहीं होता  | लागू नहीं होता   |  | दो वर्ष                                |  |  |  |
| भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण<br>द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का<br>प्रतिशतता |  |  |  | प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में<br>श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा   |  |  |
| 11  |  |  |  | 12   |  |  |
| प्रोन्नति, जिसके तहत हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।  |  |  |  | ऐसा हाउस कायर, जिसने उस श्रेणी में बस वर्ष नियमित सेवा की<br>है और जिसके पास वैदिक/लेखन या समतुल्य अर्हता है।  |  |  |
|   |  |  |  | टिप्पणी : जहां ऐसे कनिष्ठ व्यक्तियों के संबंध में, जिन्होंने अपनी<br>अर्हक/पात्रता सेवा पूरी कर ली है, प्रोन्नति के लिए विचारम<br>किया जा रहा हो, वहां उनसे उद्देश्य व्यक्तियों के संबंध<br>भी विचार किया जाएगा परन्तु यह तब जबकि उनके द्वारा<br>की गई सेवा, अर्हक/पात्रता सेवा से एक वर्ष से अधिक<br>से कम न हो और उन्होंने अपनी परिवर्तन अवधि, यदि विहित<br>हो, सफलतापूर्वक पूरी कर ली हो। |  |  |
|   |  |  |  | प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :   |  |  |
|   |  |  |  | केन्द्रीय सरकार के अधीन ऐसे अधिकार :   |  |  |
|   |  |  |  | (क) (1) जो नियमित आधार पर सश्रम पद धारण किए हुए<br>है या हैं।  |  |  |
|   |  |  |  | (2) जिन्होंने 1400-2300/2600 रुपये या समतुल्य बेतनमान<br>वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है और   |  |  |
|   |  |  |  | (3) जिन्होंने 1200—2040 ब. या समतुल्य बेतनमान वाले पदों<br>पर दो वर्ष नियमित सेवा की है और   |  |  |
|   |  |  |  | (ख) जिनके पास निम्नलिखित शैक्षिक अर्हताएं हैं : ...  |  |  |
|   |  |  |  | (1) किसी माध्यमताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या समतुल्य।   |  |  |
|   |  |  |  | (2) किसी माध्यमताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से जन संपर्क सामग्री<br>प्रबंध/हाउस कोरिंग में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र या समतुल्य।   |  |  |

(प्रत्येक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे इस प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उरी या किंग्स प्रत्येक संगठन/विभाग में उम नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति स्थापत्य द्वारा नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा आने पर प्राप्त करने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

प्रतीकित में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति के लिए)

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक नहीं है।

- |                                     |          |
|-------------------------------------|----------|
| 1. अपर महानिदेशक उप-महानिदेशक (एम)  | —अध्यक्ष |
| 2. निदेशिका प्रमुख, सफदरजंग अस्पताल | —सदस्य   |
| 3. निदेशक (प्रशासन और सक्तीता)      | —सदस्य   |
| 4. संबद्ध विभाग का प्रधान           | —सदस्य   |
| 5. उप-निदेशक (प्रशासन)              | —सदस्य   |

[फा. सं. ए. 12018/28/93/भारत (एच)]

लाल सिंह, सचिव

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 30th August, 1996

G.S.R. 413.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Warden in the Safdarjang Hospital, New Delhi, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Safdarjang Hospital, New Delhi (Warden), Recruitment Rules, 1996.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

### 4. Disqualification.—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

| Name of the post | Number of post   | Classification  | Scale of pay                |
|------------------|--|---|-----------------------------|
| 1                | 2  | 3   | 4                           |
| Warden           | *1(one) (1996)<br>*Subject to variation dependent on workload. | General Central Service Group 'B' Non-Gazetted, Non-Ministerial | Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900 |

| Whether selection post or non-selection post  | Age limit for direct recruits  | Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972. |
|---|--|---|
| 5   | 6  | 7   |
| Selection   | Not applicable   | Not applicable  |
| Educational and other qualification required for direct recruits  | Whether age and Educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees   | Period of probation if any  |
| 8   | 9  | 10  |
| Not applicable  | Not applicable   | 2 Years.  |
| Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various method | In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made  |   |
| 11  | 12   |   |
| Promotion failing which by transfer on deputation.  | <p>Promotion : House Keeper with 10 years' regular service in the grade and possessing Matriculation or equivalent qualification.</p> <p>Note: Where juniors who have completed their qualifying/eligibility service are being considered for promotion their seniors would also be considered provided they are not short of the requisite qualifying/eligibility service by more than one year and have successfully completed their probation period, if prescribed.</p> <p>Transfer on Deputation : Officers under the Central Government—</p> <p>(a)(i) holding analogous posts on regular basis; or</p> <p>(ii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs.1400–2300/2600 or equivalent; or</p> <p>(iii) with 10 years' regular service in posts in the scale of Rs. 1200–2040/- or equivalent; and</p> <p>(b) possessing the following educational qualifications—</p> <p>(1) Degree from recognised University or equivalent;</p> <p>(2) Diploma/Certificate in Public Relations/Material Management/House Keeping from a Recognised University/Institution or equivalent.</p> <p>The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, Deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion (Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other Organisation/Department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation shall be not exceeding 56 years as on the closing date of receipt of applications.)</p> |   |

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

13

14

Group 'B' Departmental Promotion Committee (for promotion) :

1. Additional Director General /Deputy Director General(M) — Chairman
2. Medical Superintendent, Safderjang Hospital—Member
3. Director (Administration and Vigilance)—Member
4. Head of the Concerned Department—Member
5. Deputy Director (Administration)—Member

Consultation with Union Public Service Commission not necessary.

[F.No.A.12018/28/93-RR (H)]

LAL SINGH, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1996

सा. का. नि. 414.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल और कलावती सरन बाल अस्पताल, नई दिल्ली (उपचर्या अधीक्षक) भर्ती नियम, 1995 में संशोधन हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल और कलावती सरन बाल अस्पताल, नई दिल्ली (उपचर्या अधीक्षक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1996 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी अस्पताल और कलावती सरन बाल अस्पताल, नई दिल्ली, (उपचर्या अधीक्षक) भर्ती नियम, 1995 की अनुसूची में कालम 10 में मौजूदा प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“प्रोन्नत व्यक्तियों और सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए एक वर्ष”

[संख्या ए. 11018/10/93-आर. आर./एम. ई. (यू. जी.)]

आर. रामामूर्ति, डेस्क अधिकारी

टिप्पण :- मूल नियम स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 8-6-95 की अधिसूचना संख्या ए. 11018/10/93 आर. आर./एम. ई. (यू. जी.) डेस्क के तहत प्रकाशित किए गए थे।

(Department of Health)

New Delhi, the 9th September, 1996

G.S.R. 414.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Lady Hardinge Medical College and Shrimati Sucheta Kripalani Hospital and Kalawati Saran Children's Hospital, New Delhi (Nursing Superintendent) Recruitment Rules, 1995, namely :—

1. (1) These rules may be called the Lady Hardinge Medical College and Shrimati Sucheta Kripalani Hospital and Kalawati Saran Children's Hospital, New Delhi (Nursing Superintendent) Recruitment (Amendment) Rules, 1996.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Lady Hardinge Medical College and Shrimati Sucheta Kripalani Hospital and Kalawati Saran Children's Hospital, New Delhi (Nursing Superintendent) Recruitment Rules, 1995, in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“One year for promotees and direct recruits.”

[No. A. 11018/10/93-RR/ME(UG) Desk]

R. RAMAMURTHY, Desk Officer

Foot Note.—The Principal rules were published vide Ministry of Health Notification No. A. 11018/10/93-RR/ME(UG) Desk dated 8th June, 1995, published in the Gazette of India vide G.S.R. No. 301 dated 8th June, 1995 and G.S.R. No. 401 dated 16th August, 1995.

